दोपहर का भोजन - प्रश्न उत्तर

1. “दोपहर का भोजन” कहानी के लेखक कौन हैं?

(A) प्रेमचंद (B) अमरकांत (C) निराला (D) महादेवी वर्मा

उत्तर: (B) अमरकांत

2. सिद्धेश्वरी किसकी पत्नी थी?

(A) मोहन (B) रामचंद्र (C) मुंशी चंद्रिका प्रसाद (D) प्रमोद

उत्तर: (C)

3. सिद्धेश्वरी के बड़े बेटे का नाम क्या था?

(A) मोहन (B) रामचंद्र (C) प्रमोद (D) सोहन

उत्तर: (B)

4. परिवार की आर्थिक स्थिति कैसी थी?

(A) समृद्ध (B) सामान्य (C) गरीब (D) धनी

उत्तर: (C)

SOLANKI SIR ACADEMY

5. सिद्धेश्वरी ने मोहन के बारे में झूठ क्यों कहा?

(A) डर के कारण (B) परिवार में शांति बनाए रखने के लिए (C) मजाक के लिए (D) लालच के कारण

उत्तर: (B)

6. मुंशी चंद्रिका प्रसाद क्या करते थे?

(A) किसान (B) शिक्षक (C) क्लर्क (D) व्यापारी

उत्तर: (C)

7. कहानी का मुख्य विषय क्या है?

(A) शिक्षा (B) गरीबी (C) प्रेम (D) युद्ध

उत्तर: (B)

8. मोहन क्या कर रहा था?

(A) खेल रहा था (B) नौकरी कर रहा था (C) पढ़ाई कर रहा था (D) सो रहा था

उत्तर: (C)

9. कहानी किस वर्ग के जीवन को दिखाती है?

(A) उच्च वर्ग (B) मध्यम वर्ग (C) निम्न मध्यम वर्ग (D) व्यापारी वर्ग

उत्तर: (C)

10. कहानी का प्रमुख संदेश क्या है?

(A) धन कमाओ (B) परिवार का महत्व (C) यात्रा का महत्व (D) खेल का महत्व

उत्तर: (B)

SOLANKI SIR ACADEMY

एक लाइन प्रश्न-उत्तर

1. “दोपहर का भोजन” कहानी किस समस्या को दर्शाती है?

गरीबी की समस्या।

2. सिद्धेश्वरी कौन थी?

परिवार की गृहिणी।

3. सिद्धेश्वरी के पति का नाम क्या था?

मुंशी चंद्रिका प्रसाद।

4. परिवार में कितने बेटे थे?

तीन बेटे।

5. मोहन क्या कर रहा था?

पढ़ाई।

6. सिद्धेश्वरी किस बात से चिंतित रहती थी?

परिवार की गरीबी से।

7. कहानी किस समय की घटना है?

दोपहर के भोजन के समय।

8. कहानी किस प्रकार के जीवन का चित्रण करती है?

निम्न मध्यम वर्गीय जीवन।

9. सिद्धेश्वरी का स्वभाव कैसा था?

त्यागी और सहनशील।

10. कहानी का मुख्य भाव क्या है?

पारिवारिक प्रेम और संघर्ष।

SOLANKI SIR
ACADEMY

प्रश्न-उत्तर

1. सिद्धेश्वरी का चरित्र कैसा है?

सिद्धेश्वरी त्यागी और सहनशील महिला है। वह परिवार को जोड़े रखने का प्रयास करती है। गरीबी के बावजूद वह परिवार की चिंता करती रहती है।

2. कहानी में गरीबी का चित्रण कैसे हुआ है?

परिवार के पास भोजन की कमी है। घर की आर्थिक स्थिति कमजोर है। सभी सदस्य कठिन परिस्थितियों में जीवन जी रहे हैं।

3. सिद्धेश्वरी ने झूठ क्यों बोला?

उसने परिवार में शांति बनाए रखने के लिए झूठ बोला। वह परिवार के सदस्यों को दुखी नहीं करना चाहती थी। उसका उद्देश्य परिवार को एक रखना था।

4. मुंशी चंद्रिका प्रसाद का चरित्र कैसा है?

वे परिवार के मुखिया हैं। आर्थिक रूप से कमजोर हैं। उनकी स्थिति भी संघर्षपूर्ण है।

5. कहानी का वातावरण कैसा है?

कहानी का वातावरण उदासी और संघर्ष से भरा है। गरीबी का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है।

6. कहानी का मुख्य संदेश क्या है?

परिवार में प्रेम और एकता आवश्यक है। कठिन परिस्थितियों में धैर्य रखना चाहिए।

SOLANKI SIR ACADEMY

7. मोहन का व्यवहार कैसा था?

वह पढ़ाई में लगा रहता था। परिवार की स्थिति से प्रभावित था।

8. कहानी का शीर्षक उपयुक्त क्यों है?

कहानी की मुख्य घटना दोपहर के भोजन से जुड़ी है। इससे परिवार की स्थिति स्पष्ट होती है।

9. परिवार के सदस्यों का जीवन कैसा था?

वे कठिन परिस्थितियों में जी रहे थे। भोजन और संसाधनों की कमी थी।

10. कहानी का सामाजिक महत्व क्या है?

यह समाज की आर्थिक विषमता को दर्शाती है। यह गरीबी की समस्या पर प्रकाश डालती है।

प्रश्न-उत्तर (दीर्घ उत्तर)

1. सिद्धेश्वरी के चरित्र का वर्णन करें।

सिद्धेश्वरी कहानी की मुख्य पात्र है। वह एक गरीब परिवार की गृहिणी है। वह त्याग, सहनशीलता और ममता की प्रतिमूर्ति है। परिवार की आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण वह हमेशा चिंतित रहती है। वह परिवार में शांति बनाए रखने के लिए झूठ भी बोलती है। वह अपने बच्चों और पति की भलाई चाहती है। उसका चरित्र भारतीय नारी के आदर्श गुणों को दर्शाता है।

2. "दोपहर का भोजन" कहानी का उद्देश्य लिखिए।

कहानी का उद्देश्य निम्न मध्यम वर्ग के संघर्षपूर्ण जीवन को दिखाना है। लेखक ने गरीबी और पारिवारिक समस्याओं का यथार्थ चित्रण किया है। कहानी सामाजिक विषमता और आर्थिक कठिनाइयों पर प्रकाश डालती है। यह पारिवारिक प्रेम और त्याग का संदेश देती है।

SOLANKI SIR ACADEMY

3. कहानी में गरीबी का चित्रण।

कहानी में परिवार की आर्थिक तंगी स्पष्ट दिखाई देती है। भोजन की कमी और संसाधनों का अभाव है। परिवार के सदस्य कठिन परिस्थितियों में जीवन जीते हैं। लेखक ने गरीबी की वास्तविक स्थिति का चित्रण किया है।

4. मुंशी चंद्रिका प्रसाद का चरित्र चित्रण।

वे परिवार के मुखिया हैं। आर्थिक कठिनाइयों से जूझ रहे हैं। वे साधारण जीवन जीते हैं और परिवार की चिंता करते हैं।

5. कहानी में पारिवारिक संबंधों का वर्णन।

परिवार में प्रेम और सहयोग है। सभी सदस्य एक-दूसरे के प्रति संवेदनशील हैं। कठिन परिस्थितियों में भी परिवार एकजुट रहता है।

6. कहानी का सामाजिक महत्व।

यह समाज में व्याप्त आर्थिक असमानता को दिखाती है। यह निम्न वर्ग की समस्याओं को उजागर करती है।

7. कहानी का शीर्षक 'दोपहर का भोजन' क्यों उचित है?

कहानी की मुख्य घटना भोजन से संबंधित है। इससे परिवार की स्थिति और संघर्ष स्पष्ट होता है।

8. कहानी का नैतिक संदेश।

परिवार का प्रेम और त्याग सबसे बड़ा है। कठिन परिस्थितियों में धैर्य रखना चाहिए।

9. कहानी में यथार्थवाद का चित्रण।

लेखक ने जीवन की वास्तविक समस्याओं को दिखाया है। पात्र और घटनाएँ वास्तविक जीवन से जुड़ी हैं।

SOLANKI SIR
ACADEMY

10. निम्न मध्यम वर्गीय जीवन का चित्रण।

कहानी में संघर्ष, अभाव और आर्थिक कठिनाइयों का वर्णन है। परिवार का जीवन कठिन है। फिर भी वे धैर्य और प्रेम से जीवन जीते हैं।